# 76th Republic Day celebrated at CUH

## Central University of Haryana

**NAAC Accredited 'A' Grade University**

**Public Relations Office**

**Newspaper: Amar Ujala** **Date: 28-01-2025**

# जनशक्ति का आधार है भारत का संविधान : प्रो. टंकेश्वर

गणतंत्र दिवस समारोह को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। स्रोत : हकेंवि

संवाद न्यूज एजेंसी

**महेंद्रगढ़।** भारत का 76 वां गणतंत्र दिवस हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड तीन स्थित विद्या वीरता स्थल पर वीर सैनिकों को नमन किया।

इसके पश्चात प्रशासनिक खंड स्थित उद्यान में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ध्वज फहराया। उन्होंने शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। कुलपति ने कहा कि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के नेतृत्व में बने भारतीय संविधान के केंद्र में आम आदमी है। यही संविधान देश की जनशक्ति व लोकशक्ति का आधार है।

समारोह में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार व छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही।

# Central University of Haryana

**NAAC Accredited 'A' Grade University**

**Public Relations Office**

**Newspaper: Dainik Bhaskar** **Date: 28-01-2025**

# जनशक्ति का आधार है भारत का संविधान: प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्या वीरता स्थल पर वीर सैनिकों को नमन किया और प्रशासनिक खंड स्थित उद्यान में तिरंगा फहराया। उन्होंने कहा भारत का संविधान जनशक्ति का आधार है। इस मौके प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार, और प्रो. आनंद शर्मा मौजूद रहे।

# Central University of Haryana

**NAAC Accredited 'A' Grade University**

**Public Relations Office**

**Newspaper: Dainik Jagran** **Date: 28-01-2025**

# जनशक्ति का आधार है भारतीय संविधान

संवाद सहयोगी, जागरण ● महेंद्रगढ़: भारत का 76वां गणतंत्र दिवस हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड तीन स्थित विद्या वीरता स्थल पर वीर सैनिकों को नमन किया। इसके पश्चात प्रशासनिक खंड स्थित उद्यान में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ध्वज फहराया। कुलपति ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के नेतृत्व में बने भारतीय संविधान के केंद्र में आम आदमी है। यही संविधान देश की जनशक्ति व लोकशक्ति का आधार है। भारतीय संविधान भारतवासियों को समानता, एकता व अखंडता के सूत्र में पिरोए हुए है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, परीक्षा नियत्रंक प्रो. राजीव कौशिक व शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार व छात्र कल्याण अधिष्ठाता

गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ● सौः हकेवि

प्रो. आनंद शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही।कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आवश्यक प्रयासों में विश्वविद्यालय ने इस साल में शोध, नवाचार, अध्ययन-अध्यापन के एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय को संसाधनों के विकास के लिए 273.47 करोड़ रूपये का अनुदान प्राप्त हुआ है। इसी के साथ-साथ खेल सुविधाओं का विकास निरंतर जारी है। कुलपति ने विश्वविद्यालय को फिक्की द्वारा यूनिवर्सिटी आफ द ईयर (एमर्जिंग) 2024 से पुरस्कृत किए जाने पर हर्ष व्यक्त किया। मंच का संचालन डा. नीरज कर्ण सिंह ने किया। इसमें मानसी चैधरी, अमरराज, काजल, रैबिन, खुशी अरोड़ा, पवन यादव, एम.श्रद्धा, पारुल, रवि यादव, कुल सिंह, मेघराम सिंह ने दीं।

# Central University of Haryana

**NAAC Accredited 'A' Grade University**

**Public Relations Office**

**Newspaper: Gurgaon Today** **Date: 28-01-2025**

# जनशक्ति का आधार है भारत का संविधान : प्रो. टंकेशवर

- **76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर हकेवि में कार्यक्रम आयोजित।**
- **कुलपति ने शिक्षकों, विद्यार्थियों व कर्मचारियों को किया संबोधित।**

**सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे**

**नारनौल।** भारत के 76वें गणतंत्र दिवस हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड तीन स्थित विद्या वीरता स्थल पर वीर सैनिकों को नमन किया। इसके पश्चात प्रशासनिक खंड स्थित उद्यान में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ध्वज फहराया। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी।

कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के नेतृत्व में बने भारतीय संविधान के केंद्र में आम आदमी है। यही संविधान देश की जनशक्ति व लोकशक्ति का आधार है। भारतीय संविधान भारतवासियों को समानता, एकता व अखंडता के सूत्र में पिरोए हुए है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, परीक्षा नियत्रंक प्रो. राजीव कौशिक व शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार व छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही।

प्रो. टंकेशवर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि गणतंत्र दिवस सभी भारतीयों के लिए गौरव का दिन है। इस दिन हमें अपना संविधान मिला, जो हमें यह बताता है कि हमारे देश को कैसे चलाना चाहिए। यह संविधान ही है जो भारत के नागरिकों को एक सूत्र में बांधे रखता है। संविधान ही वह दस्तावेज है जो देश के नागरिकों के अधिकार और कर्तव्यों के बारे में बताता है। आज के दिन हम उन बहादुर लोगों के बलिदान को याद करते हैं जिन्होंने हमारे देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी और भारत को एक गणतंत्र बनाने में योगदान किया। कुलपति ने कहा कि देश के नागरिक ही इसे महान बनाते हैं इसलिए जब आप श्रेष्ठ बनेंगे, तभी देश भी श्रेष्ठ बनेगा। भारत एक महान राष्ट्र है और यह देश के नागरिकों के कर्म व्यवहार का फल है। आज समय गरीबी, कुपोषण, अशिक्षा को खत्म कर अंतरिक्ष विज्ञान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और शोध में उल्लेखनीय योगदान देने का है। कुलपति ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का स्मरण कराते हुए सभी को सपने देखने और उन्हें सच करने के लिए प्रेरित किया। अपने संबोधन में कुलपति ने विज्ञान, तकनीक के साथ-साथ भारत की आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत का भी उल्लेख किया और प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ को भारत की ऐतिहासिक व सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बताया। विश्वविद्यालय की प्रगति का उल्लेख करते हुए कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु आवश्यक प्रयासों में विश्वविद्यालय ने इस साल में शोध, नवाचार, अध्ययन-अध्यापन के एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाई।